अमर उजाला

amarujala.com ▪ लखनऊ ▪ मंगलवार, 14 फरवरी 2023

डिजिटल तकनीक जिंदगी का हिस्सा बनी

केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं रेल मंत्री ने कहा- कृषि, लॉजिस्टिक समेत कई क्षेत्रों में तैयार होगा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 2023 कई मामलों में बेहद अहम वर्ष होने जा रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक यूनीक फ्रेमवर्क तैयार किया है। यह लोगों के जीवन को आसान बनाएगा और उनके कौशल में वृद्धि होगी। डिजिटल टेक्नोलॉजी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। टेलीकॉम टेक्नोलॉजी में भी भारत आगे बढ़ा है। डिजिटल टेक्नोलॉजी इस दुनिया का भविष्य है।

अश्विनी ने कहा कि यूपीआई और कोविन की तर्ज पर लॉजिस्टिक, ई-कॉमर्स, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स और कृषि के लिए भी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा पहले सभी वैश्विक आयोजन दिल्ली तक सीमित थे। लेकिन पीएम मोदी ने जी-20 को देश के 25 शहरों तक पहुंचाया ताकि भारत की विविधता में एकता का संदेश दुनिया में जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया के बड़े देशों में लोग मुद्रा से कार्ड पर शिफ्ट हुए, लेकिन भारत में ज्यादातर लोग सीधे डिजिटल पर शिफ्ट हुए हैं। दुनिया के कई देशों के कुल डिजिटल ट्रांजेक्शन से ज्यादा भारत में डिजिटल लेनदेन होता है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को भी सरकार डिजिटल इकनॉमी से जोड़ रही है।

यूपीआई और कोविन का दुनिया ने लोहा माना

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि दुनिया के कई बड़े देशों में डिजिटल इकनॉमी का नियंत्रण सिर्फ चार-पांच कंपनियों के हाथ में है। लेकिन मोदी सरकार ने यूपीआई का ऐसा प्लेटफार्म तैयार किया जिस पर किसी भी एक व्यक्ति या संस्था का एकाधिकार नहीं है। गूगल जैसी कंपनी खुद का सिस्टम लगाना चाहती थी, लेकिन यूपीआई को समझने के बाद उन्हें लगा कि यूपीआई का सिस्टम सबसे अच्छा है। गूगल ने अमेरिका के फैडरेल रिजर्व बैंक को भी यूपीआई से संबंधित सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान तैयार कोविन पोर्टल ने भी दुनिया को अपना लोहा मनवाया है। पोर्टल की बदौलत 220 करोड़ कोविड वैक्सीन की डोज दी गई।

उद्योगों में डिजिटल नवाचार को अपनाना जरूरी

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्रनाथ पांडेय ने कहा कि एक दशक में इंडस्ट्री में लगभग दस गुना निवेश बढ़ा है। वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 200 अरब तक पहुंचने की संभावना है। इस निवेश का बड़ा हिस्सा जी-20 में शामिल देशों के जरिए ही होना है। इसके लिए जरूरी है कि उद्योगों में डिजिटल नवाचार को बढ़ावा दिया जाए। जी-20 बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था, मनुष्य व मशीन के बेहतर संबंध के लिए अति महत्वपूर्ण है। अब हर क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल हो रहा है। कई क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी की पहुंच के साथ ही नई तकनीकें भी सामने आ रही हैं जो कारोबार और सरकार के लिए महत्वपूर्ण हो गई हैं। इनमें रोबोटिक्स, बिग डेटा एनॉलिटिक्स, आर्टिफि शियल इंटेलीजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग प्रमुख हैं। इससे उत्पाद परिष्कृत हुए हैं।

तकनीक से लाभार्थियों को मिल रहा पूरा लाभ

केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि तकनीक के उपयोग से केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ लाभार्थियों को सीधे मिल रहा है। तकनीक के अभाव में पिछली सरकारें पंगु बनी रहीं। एक प्रधानमंत्री ने तो यहां तक कहा था कि हम दिल्ली से 100 रुपये देते हैं तो लाभार्थी तक सिर्फ 15 रुपये ही पहुंचते हैं। लेकिन अब तकनीक के जरिए हम उस चुनौती को पीछे छोड़ने में कामयाब रहे। इंटरनेट ने सीमाओं को समाप्त कर दिया है। यही नहीं आज इसकी पहुंच समाज के हर व्यक्ति तक है। आने वाले समय में तकनीक और डिजिटल इकनॉमी के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा।

शहीद पथ स्थित एक होटल में चल रहे जी-20 सम्मेलन में सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी को देखते सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव। -संवाद

तीन फीट की गहराई की उर्वरता बताएगा ड्रोन

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की प्रदर्शनी का मंत्री ने किया उद्घाटन

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने सोमवार को जी-20 सम्मेलन में विभाग की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में डिजिटल इंडिया की झलक दिखाई गई है।

मंत्री ने स्टॉलों को देखा और जानकारी हासिल की। प्रदर्शनी में मापल्स इंडिया ने आसानी से लोकेशन हासिल करने की तकनीक साझा की। सिविल-20 ने स्वयं सेवी संस्थाओं के क्रियाकलापों की जानकारी कैसे शासन को तकनीक की मदद से मुहैया कराई जाती है, इसे दिखाया। प्रदर्शनी में मिलेंद्राज ने ड्रोन के माध्यम से जमीन में तीन फीट की गहराई तक उर्वरता की जानकारी हासिल करने की तकनीक दिखाई। माईटी ने डिजिटल एक्सपीरियंस सेंटर की कार्यप्रणाली को समझाया। प्रदर्शनी में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, टेलीकॉम, जनजातीय व भारी उद्योग मंत्रालयों सहित केंद्र के अन्य विभागों व संस्थानों ने स्टॉल लगाए हैं। राज्य सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, पर्यटन, संस्कृति, कृषि व कृषि शिक्षा और अनुसंधान विभागों के भी स्टॉल लगाए गए हैं।

प्रदर्शनी में नवाचारों को देखते प्रदेश के आईटी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय। -विज्ञप्ति

यूपी डिजिटल नवाचार को अपनाने में सबसे आगे

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी डिजिटल नवाचार को अपनाने में देश में सबसे आगे है। शिक्षा व मरीजों के इलाज से लेकर खदानों की सुरक्षा और यातायात प्रबंधन तक में डिजिटल प्लेटफार्म के उपयोग के सकारात्मक बदलाव सामने आए हैं। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने सोमवार को जी-20 की डिजिटल इकनॉमी वर्किंग ग्रुप की बैठक में शामिल 29 देशों के प्रतिनिधियों के सामने यूपी की डिजिटल क्रांति का प्रस्तुतीकरण दिया।

औद्योगिक विकास एवं अवस्थापना आयुक्त अरविंद कुमार ने इंटरमीडिएट, स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को बांटे जा रहे टैबलेट और स्मार्टफोन की जानकारी दी। कहा, सरकार अगले चार वर्ष में दो करोड़ विद्यार्थियों को मुफ्त टैबलेट और स्मार्टफोन बांटेगी। अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी ने कृषि में डिजिटल प्लेटफार्म के उपयोग की जानकारी दी।

कहा, कृषि से संबंधित उत्पादों के संरक्षण व प्रबंधन के लिए एग्री स्टेकिंग लागू किया गया है। कृषि भूमि का भी डिजिटल रिकॉर्ड रखा जा रहा है। 2.60 करोड़ किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि डीबीटी से जमा हो रही है। आयुक्त खाद्य एवं रसद सौरभ बाबू ने राशन वितरण में तकनीक के इस्तेमाल की जानकारी दी। कहा, खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटा जा रहा है। ई पॉज मशीन से राशन वितरण से पूरी पारदर्शिता से वास्तविक लाभार्थी को ही अनाज मिल रहा है।

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि प्रदेश में अवैध खनन रोकने, उप खनिजों के परिवहन सहित खनन प्रक्रिया से जुड़े ज्यादातर कामकाज के लिए माइन मित्रा पोर्टल लांच किया गया है। इस पोर्टल से अवैध खनन पर रोक लगने के साथ ही राजस्व प्राप्ति में भी वृद्धि हुई है। परिवहन विभाग के अनुपम कुलश्रेष्ठ ने बताया कि प्रदेश में यातायात प्रबंधन का काम डिजिटल प्लेटफार्म पर है। सरकार इसे बेहतर बनाने के लिए मैप माय इंडिया के साथ भी योजना बना रही है। यूपीडेस्को के एमडी कुमार विनीत ने एक फिल्म के माध्यम से यूपी की डिजिटल क्रांति का प्रस्तुतीकरण किया।

प्रदेश के अफसरों ने जी-20 देशों के समक्ष रखी यूपी की डिजिटल क्रांति

जीवन से जुड़े हर सवाल का जवाब देगी डिजिटल गीता

एप के जरिए स्क्रीन पर नजर आएगी मनचाही तस्वीर

अमर उजाला ब्यूरो

डिजिटल गीता

लखनऊ। डिजिटल गीता बटन दबाते ही जीवन से जुड़े हर सवाल का जवाब देगी और स्मार्टकला एप पर बटन दबाते ही मनचाही तस्वीर सामने होगी। जी-20 सम्मेलन में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आए बदलावों को दर्शाने के लिए लगी प्रदर्शनी में इन नवाचारों को दिखाया गया है।

टैग बिन की निष्ठा गोयल बताती हैं कि डिजिटल गीता में जीवन के हर सवाल का जवाब है। इस आधार पर तैयार इस डिजिटल प्लेटफार्म से मार्गदर्शन, प्रेरणा, परिवर्तन व कर्म को लेकर सवाल पूछ सकते हैं। फिलहाल स्क्रीन पर लिखित में जवाब आता है। जल्द ही गीतकार मनोज मुंतशिर की आवाज में जवाब सुनने को भी मिलेगा। इसी तरह जूते पहने हुए मगरमच्छ और उड़ता ऊंट कैसा दिखेगा। इसी तरह मन में आने वाली हर कल्पना को बटन दबाते ही स्क्रीन पर देख सकते हैं। यह संभव किया है टैग बिन कंपनी ने। उसने मनचाही तस्वीरों को देखने के लिए एआई स्मार्टकला लांच किया है।

प्रदर्शनी में इंटर एक्टिव क्यूआर गेम सहित कई रोचक नवाचार देखने को मिल रहे हैं। इससे एआई शतरंज पर बच्चे न सिर्फ शतरंज खेलना सीख सकते हैं, बल्कि बड़े भी कंप्यूटर के साथ शतरंज खेल सकते हैं। इसके अलावा केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिक विभाग की ओर से तैयार डीजी मोबाइल पर 2014 से अब तक भारत में हुए डिजिटल बदलाव की कहानी को बटन दबाते ही समझा जा सकता है। राज्य सरकार की ओर से पर्यटन, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि और आदिवासी कल्याण की डिजिटल प्रदर्शनी लगाई गई है।

प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र बने रोचक नवाचार

आदिवासी कल्याण की डिजिटल प्रदर्शनी।

मोबाइल स्क्रीन से हो सकेगा आधार प्रमाणीकरण

बुजुर्गों की फिंगर प्रिंट निकालना आसान नहीं है। ऐसे में बुजुर्ग पेंशनरों को आधार के जरिए अपने जीवित होने का प्रमाण पत्र देने में दिक्कत आती है। कभी हाथ में चोट लगने से भी आधार प्रमाणीकरण में दिक्कत आती है। ऐसी समस्याओं के समाधान के लिए यूआईडीएआई ने आधार पोर्टल पर चेहरा प्रमाणिकता की व्यवस्था शुरू की है। पोर्टल पर आधार नंबर फीड करने के बाद मोबाइल के सामने अपना चेहरा दिखाने पर स्क्रीन बता देगी कि आप ही असली व्यक्ति हैं। यही नहीं भुवन आधार सेवा से अब पिन कोड नंबर से पता चल जाएगा कि निकटवर्ती आधार सेवा केंद्र कहां है।

हैक नहीं होगा मोबाइल-कंप्यूटर

प्रदर्शनी में सीडॉट की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी में क्वांटम सॉफ्टवेयर का प्रस्तुतीकरण किया गया है। कंपनी के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय बताते हैं कि अब तक कम्युनिकेशन में इंटरनेट का उपयोग होता है। इसमें डाटा और सूचना हैक होने की आशंका रहती है। लेकिन क्वांटम तकनीक से डाटा या सूचना हैक होने की कोई आशंका नहीं रहती। कंपनी ने सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन एप तैयार किया है। इसका उपयोग एक संस्थान के भीतर के कुछ लोगों के बीच गोपनीय सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए किया जा सकता है। इसकी सूचना लीक होने की आशंका नहीं रहती है। कंपनी ने टेलीकॉम उपकरण, 5जी कोर, राउटर और स्विच का भी प्रदर्शन किया है।

सी-20 सोसायटी यूपी के गांवों में बच्चों को देगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

केरल की अमृता विश्व विद्यापीठम यूपी के गांवों में बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा देगी। संस्था ने जी-20 की तर्ज पर सी-20 अभियान शुरू किया है। संस्था की ओर से यूपी के 22 गांवों में पायलट प्रोजेक्ट के जरिए बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है। बच्चों को टैबलेट बेस एजुकेशन दी जा रही है। संस्था के प्रतिनिधि डॉ. रघुरमन का कहना है कि यदि राज्य सरकार सहयोग करे तो उनकी संस्था यूपी में स्कूल-कॉलेज भी स्थापित कर सकती है।

आज डिजिटल इकनॉमी में साइबर सिक्योरिटी पर मंथन होगा

लखनऊ। जी-20 समिट के तहत लखनऊ में हो रही तीन दिवसीय डिजिटल इकनॉमी वर्किंग ग्रुप की बैठक में मंगलवार को दूसरे दिन साइबर सिक्योरिटी पर मंथन होगा। ब्यूरो